2021 में हो सकता है

भूमिगत मेट्रो का ट्रायल

संदवाददाता द्वारा

मुंबई. कुलाबा से सीप्ज तक 33.5 किमी भूमिगत मेट्रो का ट्रायल 2021 में शुरू हो सकता है. पहले चरण में बनने वाला बांद्रा -कुर्ला कांप्लेक्स से सीप्ज तक का काम 2021 में पूरा होगा. काम पूरा होने के बाद मेट्रो का ट्रायल शुरु किया जा सकता है. एमएमआरसीएल के अधिकारी ने यह जानकारी दी. सीप्ज से लेकर कुलाबा तक मेट्रो का काम जोरों से चल रहा है जिसके कारण मुंबईकरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. भूमिगत मेट्रो निर्माण के कारण खासकर पश्चिम एक्सप्रेस हाइवे पर ट्रैफिक जाम में लोग घंटों फंसे रहते हैं. लोग चाहते हैं कि जितनी जल्दी मेट्रो तैयार होकर शुरु हो बेहतर होगा. लोगों को ट्रैफिक से निजात तो मिलेगी ही उन लोगों को यात्रा करने में सुविधा होगी जिन्हें कई किलोमीटर बस या ऑटो से सफर कर रोज लोकल पकड़ने आना पड़ता है.

दक्षिण मुंबई में नौकरी करने आने वालों के लिए तो मेट्रो वरदान साबित हो सकता है. अब तक रेलवे से नहीं जुड़ने वाले क्षेत्र बीकेसी, धारावी, अग्रीपाड़ा, वर्ली , कफ परेड के निवासियों को यातयात का बेहतर विकल्प मिल जाएगा.

23 किमी का काम पूरा

भूमिगत मेट्रो का निर्माण सात चरणों में हो रहा है. इसके लिए 17 टीबीएम मशीन दिन रात काम कर रही है. कुलाबा से सीप्ज तक मेट्रो 3 की लंबाई 33.5 किमी है जिसमें से 23.69 किमी का काम पूरा हो चुका है. अभी कुल 52.21किमी की खुदाई होनी है. एमएमआरसीएल के अधिकारी ने ट्वीट कर बताया कि बीकेसी से सीप्ज मेट्रो का ट्रायल 2021 तक शुरु हो सकता है.